

प्रेषक,

सौरभ जैन
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उरेडा देहरादून

ऊर्जा विभाग

देहरादून: दिनांक 25 नवम्बर, 2009

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2009-10 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को वैकल्पिक ऊर्जा कार्यक्रम के लिए वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-515/xxv II (1)/2009, दिनांक 28.07.2009 एवं आपके पत्र संख्या: 1582/उरेडा-08(1)/वार्षिक योजना-2/09-10 दिनांक 15-09-2009, पत्र संख्या: 1616/उरेडा-08(1)/वार्षिक योजना-2/09-10 दिनांक 19-9-2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को वित्तीय वर्ष 2009-10 में सोलर थर्मल कार्यक्रम हेतु ₹0 10.00 लाख, लघु जल विद्युत/घराट योजना हेतु ₹0 108.39 लाख एवं ग्रामीण ऊर्जा तकनीकी हेतु ₹0 10.00 लाख अर्थात् कुल ₹0 128.39 लाख (₹0 एक करोड़ अठाईस लाख उन्तालीस हजार मात्र) की धनराशि आयोजनागत में अनुदान/उपादान के रूप में संलग्नक में वर्णित लेखाशीर्षकों में निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय करने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1- योजनाओं हेतु आबंटित धनराशि तभी एवं उसी मात्रा में आहरित कर व्यय की जायेगी जहां जैसा राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में सम्बन्धित अनुदान/सब्सिडी दिये जाने को अनुमन्य किया गया हो, अन्यथा धनराशि आहरित/व्यय नहीं की जायेगी।

2-स्वीकृत धनराशि का बिल निदेशक, उरेडा द्वारा तैयार कर सहायक विद्युत निरीक्षक, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरित के उपरान्त देहरादून कोषागार में आवश्यकतानुसार ही धनराशि का आहरण किया जायेगा। तदोपरान्त निदेशक, उरेडा द्वारा सम्बन्धित जिलों को धनराशि प्रेषित की जायेगी एवं जनपदवार प्रेषित की गई धनराशि की सूचना शासन को उपलब्ध करायी जायेगी। धनराशि आहरण कर उसे बैंकों में पार्किंग नहीं किया जायेगा।

3-व्यय करने से पूर्व योजनाओं पर बजट मैनुअल, फाईनैन्शियल हैण्डबुक, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, शासन के मितव्ययता विषयक आदेश व तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

4-स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र, योजनावार व्यय विवरण एवं योजनाओं की वित्तीय/भौतिक प्रगति आदि का विवरण यथासमय उपलब्ध कराया जायेगा। केन्द्र पोषित योजनाओं का उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार एवं राज्य सरकार को भी समयबद्ध रूप से प्रेषित किया जायेगा।

5-व्यय उन्हीं मदों से किया जाएगा जिनके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

(2)

6-कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित विभागीय निर्माण एजेन्सी/सम्बन्धित प्रोजेक्ट मैनेजर पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

7-योजनान्तर्गत सम्बन्धित योजनाओं/कार्यों हेतु केन्द्रांश की प्राप्ति भी समय से कर ली जायेगी तथा योजना/कार्यवार प्राप्त केन्द्रांश का विवरण तथा तदकम में प्रत्येक योजना/कार्यवार कुल लागत/ व्यय धनराशि के सापेक्ष व्यय किये गये केन्द्रांश व राज्यांश का विवरण भी शासन में वित्त विभाग को समय से प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

8-उक्त योजनाओं पर उक्त धनराशि राज्यांश के विपरीत अवमुक्त की जा रही है और शेष राज्यांश तब ही अवमुक्त किया जाएगा, जब केन्द्र सरकार द्वारा अपने अंश के विपरीत धनराशि अवमुक्त कर देगी। केन्द्र पोषित योजनाओं में धनराशि का आहरण केन्द्रांश प्राप्त होने के बाद ही किया जायेगा। जिन योजनाओं में केन्द्रांश प्राप्त होता है उनके सापेक्ष केन्द्रांश अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।

9-स्वीकृत की जा रही धनराशि का एक मुश्त आहरण न करके आवश्यकतानुसार ही कोषागार से आहरण किया जायेगा।

10-इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-आयोजनागत की संलग्नक में उल्लिखित सुसंगत मानक मदों के नामें डाला जाएगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 654/XXVI(2) दिनांक 20 नवम्बर, 2009 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:-यथोक्त।

भवदीय,

(सौरभ जैन)
अपर सचिव।

संख्या: 1810 / 1/2009-3(1)/24/2009, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखंड, देहरादून।
- 2- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 3- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-2/नियोजन विभाग।
- 5- सहायक विद्युत निरीक्षक, विद्युत सुरक्षा विभाग, देहरादून।
- 6- प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 7- सचिव, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखंड शासन/एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल।

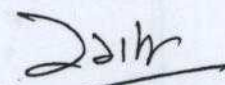
आज्ञा से,

(एम0एम0सेमवाल)
अनु सचिव।

शासनादेश संख्या: 1810 / 1/2009-3(1)/24/2009 दिनांक 25 नवम्बर, 2009 का संलग्नक
अनुदान संख्या 30, 2009-2010 (हजार रुपयों में)

लेखाशीर्षक	धनराशि
2810 वैकल्पिक ऊर्जा 02- सोलर इनर्जी 101- सोलर थर्मल कार्यक्रम 02 -अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान 01- उरेडा के लिए अनुदान 20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता 50- सब्सिडी	900 100
2810-वैकल्पिक ऊर्जा 60-ऊर्जा के अन्य स्रोत 800-अन्य व्यय 02 -अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान 01-लघु जल विद्युत एवं सुधारित घराट योजना 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता 50-सब्सिडी	10500 339
2810-वैकल्पिक ऊर्जा 60 ऊर्जा के अन्य स्रोत 800 अन्य व्यय 02 -अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान 94-ग्रामीण ऊर्जा तकनीकी हेतु उरेडा को सहायता 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता 50-सब्सिडी	900 100
योग	12839

कुल धनराशि ₹0 एक करोड़ अठाईस लाख उन्तालीस हजार मात्र


(एम0एम0सेमवाल)
अनु सचिव।